[This question paper contains 5 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

1046 **B**

B.Com. (Hons.)/II Sem.

Paper CP–2.5—HINDI LANGUAGE (A)

प्रश्न-पत्र CP2.5—हिन्दी भाषा (क)

(प्रवेश वर्ष 2011 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. हिन्दी भाषा के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी की किसी **एक** बोली का सामान्य परिचय दीजिए। 4

2. मानक भाषा की सामान्य विशेषताएँ बताइए।

अथवा

व्यावसायिक पत्र लेखन की विशेषताएँ बताइए। 3

3. 'मन के हारे, हार है; मन के जीते जीत' विषय का पल्लवन कीजिए।

अथवा

विज्ञापन लेखन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

4. 'मेरी प्रिय पुस्तक' **अथवा** 'टी. वी. कार्यक्रमों का बच्चों पर प्रभाव' विषय पर निबन्ध लिखिए।

[P. T. O.

अथवा

कोश की परिभाषा देते हुए द्विभाषिक कोश की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

5. किन्हीं **चार** अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी पारिभाषिक शब्द लिखिए : Allowance, Compensation, Dividend, Errata, Income, Penalty, Valid. 4

6. 'कालजयी' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

अथवा

'कालजयी' के प्रथम तीन सर्गों के आधार पर अशोक के चरित्र पर प्रकाश डालिए। 12

7. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

यह कथा व्यक्ति की नहीं,
एक संस्कृति की है;
यह स्नेह शांति
सौंदर्य शौर्य की, धृति की है।
यह धारा संस्कृति की
विशिष्ट अति वेगवान,
केवल भारत की धरती पर
थी प्रवहमान
इस महापुरुष ने

इसे प्रवाहित किया वहाँ—

कल्पनातीत था

इसका

कल-कल नाद जहाँ।

अथवा

"किससे युद्ध, कैसा युद्ध, कारण हो कोई तो

हमको बताया जाये

जिसे जानकारी है त्रुटियों की हमारी पूरी

हम यह खड़े हैं, वह सामने हमारे आये।

मेरे पिता ने मुझे भेजा है इसीलिए—

'करना सब, जितना हो सकता हो तुम्हारे लिए'

करने को आया हूँ

बातें बतायी जायें!" 7

8. माधवी नाटक में चित्रित नारी समस्या का विवेचन कीजिए।

अथवा

'गालव' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 12

9. 'गबन उपन्यास में मध्यवर्गीय समाज का यथार्थ चित्रण किया गया है।'—इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'गबन' के कथाशिल्प का विवेचन कीजिए। 12

10. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) तुम मुझे वैसी ही विकट परीक्षा में डाल रहे हो, जिसमें तुम स्वयं खोये हो। सुनो गालव, मैं तुम्हें आठ सौ अश्वमेधी घोड़े तो नहीं दे सकता, पर मैं अपनी एक मात्र कन्या तुम्हें सौंप सकता हूँ। वह बड़ी गुणवती युवती है। उसे पाकर कोई भी राजा तुम्हें आठ सौ अश्वमेधी घोड़े दे देगा। निश्चय ही तुम अपना वचन निभा पाओगे।

अथवा

तुम किस प्रलोभन में पड़ रहे हो, युवक? कल तो आत्म-हत्या करने जा रहे थे, और आज चक्रवर्ती राजा बनने के सपने देखने लगे हो? क्या तुम दो व्यक्तियों से विश्वासघात करोगे? अपने गुरु के साथ भी और महाराज के साथ भी? देवलोक में सभी देवता तुम्हारी ओर आँख लगाए हुए हैं कि तुम किस दिशा में अपने पाँव बढ़ाओगे। 6

(ख) उसने कितने ही उपाय सोचे, लेकिन कोई ऐसा न था, जो आगे चलकर उसे उलझन में न डाल देता, दलदल में न फँसा देता। एकाएक उसे एक चाल सूझी। उसका दिल उछल पड़ा, पर बात को वह मुँह तक न ला सका। ओह! कितनी नीचता है! कितना कपट! कितनी निर्दयता!

अपनी प्रेयसी के साथ ऐसी धूर्तता! उसके मन ने उसे धिक्कारा। अगर इस वक्त उसे कोई एक हजार रुपया देता, तो वह उसका उम्रभर के लिए गुलाम हो जाता।

अथवा

"बरफी खाने के बाद गुड़ खाने को किसका जी चाहता है? महल का सुख भोगने के बाद झोंपड़ा किसे अच्छा लगता है? प्रेम आत्मा को तृप्त कर देता है। तुम तो मुझे जानते हो, अब तो बूढ़ा हो गया हूँ, लेकिन मैं तुमसे सच कहता हूँ, इस विधुर-जीवन में मैंने किसी स्त्री की ओर आँख तक नहीं उठाई। कितनी ही सुंदरियां देखीं, कई बार लोगों ने विवाह के लिए घेरा भी, लेकिन कभी इच्छा भी नहीं हुई। उस प्रेम की मधुर स्मृति में मेरे लिए प्रेम का सजीव आनंद भरा हुआ है।" 6